भाकृअनुप-केंद्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला के आयोजन की रिपोर्ट

भाकृअनुप-केंद्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता में दिनांक 20 मार्च, 2019 को राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी अधिनियमों, नियमों एवं आदेशों के अनुपालन हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन माननीय निदेशक, डॉ. जीबन मित्र जी की अध्यक्षता में संस्थान के समिति कक्ष में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, राजभाषा कक्ष ने श्री आर.डी. शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) तथा प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों (कर्मचारी/तकनीकी/वैज्ञानिक वर्ग) ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के फसल उत्पादन प्रभाग के प्रभागाध्क्ष, डॉ॰ दिलीप कुमार कुंडू, कार्यशाला के आयोजन की रूपरेखा और उदेश्य के बारे में बताया तथा हिन्दी कि विशेषता की चर्चा करते हुये कहा कि विश्व के कई देशों में अन्य भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी बोली जाती है। डॉ. चन्दन सौरव कर, प्रधान वैज्ञानिक, फसल सुधार ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी हिन्दी भली-भांति पढ़ व लिख सकतें हैं, परंतु कार्य करने में संकोच होता है इस संकोच को कार्यशालाओं के माध्यम से ही दूर किया जा सकता है तथा यह कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का प्रयोग करने से ही दूर होगा। अखिल भारतीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा नेटवर्क परियोजना के प्रभारी, डॉ. सब्यसाची मित्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है तथा इसका प्रयोग कार्यालयीन कार्यों में यथा सम्भव करना चाहिए। डॉ. सुनीति कुमार झा ने अपने अभिभाषण में कहा कि हिन्दी हमारी अपनी भाषा है और इसका यथा संभव प्रयोग करें। प्रशासनिक अधिकारी, श्री प्रहलाद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा में कार्य करना हमारा संवैधानिक दायित्व है तथा अपना अधिकाधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी के माध्यम से करने पर जोर देते हुए ऐसे कार्यशाला की उपयोगिता पर बल दिया। माननीय निदेशक, डॉ. जीबन मित्र जी ने सरल, सुबोध एवं आसान शब्दों का प्रयोग करने पर जोर देते हुए यह उद्घोष किया कि राजभाषा संबंधी आदेशों का शत प्रतिशत अनुपालन किया जाए। निदेशक महोदय ने इस बात पर खुशी जाहिर किया कि प्रशासनिक अनुभागों तथा लेखा परीक्षा व लेखा अनुभाग में हिन्दी में टिप्पण एवं मसौदा, कार्यालय आदेश, परिपत्र आदि हिन्दी में जारी हो रहे हैं। कार्यशाला में वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक वर्ग के कुल 57 प्रतिभागियों (29 अधिकारी और 28 कर्मचारी) ने भाग लिया।

तत्पश्चात कार्यशाला का तकनीकी सत्र श्री आर.डी. शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने निदेशक महोदय एवं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए राजभाषा नियम, राजभाषा अधिनियम एवं राजभाषा नीति के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की, साथ ही पावर प्वाइंट के माध्यम से यूनीकोड के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। आगे इन्होंने कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करते समय आने वाली समस्या के विषय में भी बताया तथा हिन्दी में टंकण करने हेतु विभिन्न प्रकार के की-बोर्ड के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला बहुत ही उपयोगी एवं उदेश्यपूर्ण रही। इस कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, राजभाषा कक्ष ने श्री मनोज कुमार राय के सहयोग से किया।

अंत में डॉ. सुनीति कुमार झा के द्वारा कार्यशाला का समापन निदेशक महोदय, श्री आर.डी. शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), एवं समस्त प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया।